सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 324 | इंदौर, शनिवार 03 जून, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. Meerut: जस्टिस अग्रवाल ने किये चौंकाने वाले खुलासे, कहा- अयोध्या प्रकरण में फैसला न देने का था दबाव
2. Excise Policy Case : कई बंदिशों के बीच आज बीमार पत्नी से मिलेंगे सिसोदिया, जमानत पर फैसला सुरक्षित
3. Karnataka HC: आय से अधिक संपत्ति मामले में डीके शिवकुमार को राहत, सीबीआई जांच पर रोक बढ़ी
4. बिहार: अवैध शिकार और ध्वनि प्रदूषण से दम तोड़ रहीं गंगा डॉल्फिन, तीन दिन में दो की मौत
5. Go First: गो फर्स्ट के बंद होने से कई रूट पर महंगी हुई यात्रा, दिल्ली-लेह का विमान किराया पेरिस के बराबर
6. Meerut : भाजपा पार्षद ने पैर छूकर मांगी माफी, रंगदारी के मामले में राज्यमंत्री ने कराया समझौता
7. Drugs Case: 25000 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ के आरोपी पाक नागरिक ने मांगी जमानत, कहा- मुझे फंसाया गया
8. Mumbai: जापानी राजदूत ने मुंबई लोकल ट्रेन में किया सफर, बाजार में देखी 100 रुपये की शर्ट
9. Panipat : पूर्णिमा स्नान करने के लिए हरिद्वार जा रही पिकअप को ट्रक ने मारी टक्कर, चार लोगों की मौत, 20 घायल

महाकाल लोक में लोकायुक्त ने शुरू की जांच

मूर्तियों का टेंडर, एग्रीमेंट और वर्क ऑर्डर की मूल कापी मांगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। आंधी और तेज बारिश से महाकाल लोक में गिरी फाइबर रिइंफोर्समेंट प्लास्टिक से बनी मूर्तियों की जांच लोकायुक्त ने खुद शुरू कर दी है। संगठन के चीफ इंजीनियर एनएस जौहरी ने उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ईडी) को चिट्ठी लिखकर मूर्तियों का टेंडर, एग्रीमेंट और वर्क ऑर्डर की मूल कापी मांगी है। इसके अलावा टेंडर बुलाने से लेकर उसे मंजूर करने, काम पूरा कैसे किया गया, बिल पेमेंट कैसे हुआ, काम की मौजूदा स्थिति क्या है आदि के बारे में हुए सभी पत्राचार और नोटशीट की मूल कॉपी मांगी है।

जौहरी के साथ लोकायुक्त की दो सदस्यीय टीम शुक्रवार को महाकाल लोक पहुंच रही है। लंबे समय बाद लोकायुक्त ने खुद किसी मामले को जांच में लिया है। इससे सियासी व प्रशासनिक हलकों में हलचल है। इसके पीछे बड़ी वजह यह है कि महाकाल लोक के कामों को लेकर दो शिकायतें पहले हो चुकी हैं, जिसकी जांच पेंडिंग थी।

ये शिकायतें विधायक महेश परमार और लक्ष्मण सिंह की हैं। अब दस्तावेज मांगे जाने से साफ है कि लोकायुक्त की तकनीकी टीम इस पूरे मामले की गहन जांच की तैयारी में है। सभी अधिकारियों को दस्तावेजों के साथ बुलवाया गया है। जांच दल पूरे क्षेत्र और महाकाल लोक में हुए कामों का निरीक्षण करेगा। लोकायुक्त में पदस्थ चीफ इंजीनियर जौहरी ने उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ईडी) से तमाम दस्तावेज व फाइलों के साथ नस्तियां मांगी हैं।

सरकार कह चुकी है कि कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ

हाल ही में सरकार दावा कर चुकी है कि महाकाल लोक में कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ। अब लोकायुक्त द्वारा केस दर्ज करने और जांच शुरू करने से सरकार के दावे पर सवाल खड़े हो गए हैं।

लोकायुक्त गुप्ता के सामने हो चुकी है पेशी

महाकाल लोक में 28 मई को सप्तऋषि की 6 मूर्तियां टूटने के बाद 29 मई को लोकायुक्त जस्टिस एनके गुप्ता के सामने उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड के इंजीनियर की पेशी हो चुकी है। दस्तावेज मांगे गए तो इंजीनियर ने 26 जून तक का वक्त मांगा।

पुरानी शिकायतों पर अभी तक नहीं दिया रिकॉर्ड

महाकाल लोक में हुए कामों और पेमेंट को लेकर दो शिकायतें पहले हो चुकी हैं। इसमें लोकायुक्त ने रिकॉर्ड मांगा है, जो अभी तक उज्जैन स्मार्ट सिटी की तरफ से नहीं दिया गया।

100 किलो अफीम और 1269 किलो डोडाचूरा सहित ढाई लाख रुपये जब्त

सेंट्रल ब्यूरो आफ नारकोटिक्स की कार्रवाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

नीमच। सेंट्रल ब्यूरो आफ नारकोटिक्स (सीबीएन) नीमच ने मध्य प्रदेश और राजस्थान की सीमा के एक गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए घर में छिपाकर रखी गई 100 किलो अफीम और 1269.10 किलो डोडाचूरा जब्त किया है।

सीबीएन के अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिली थी कि ग्राम बंगेरा घाटा पुलिस थाना कनेरा तहसील निम्बाहेड़ा का एक निवासी मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त है और अपने निवास पर अवैध अफीम छिपाकर रख रहा है। साथ ही अवैध डोडाचूरा को पिकअप में लोड कर रहा है।

इस पर सीबीएन कोटा और चित्तौड़गढ़ के अधिकारियों की टीमों का गठन कर गुरुवार सुबह रवाना किया गया। संयुक्त टीम ने उक्त ग्राम में संदिग्ध घर और गोदाम की गहन तलाशी ली। इससे अफीम के 43 पालीथीन बैग बरामद हुए। घर में 100.10 किलो अफीम और 63 काले प्लास्टिक के बैग में 1269.10 किलो डोडाचूरा जब्त किया गया। दो लाख 50 हजार 200 रुपये नकद भी जब्त किए गए। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। सेंट्रल ब्यूरो आफ नारकोटिक्स ने कार्रवाई में आरोपित का नाम सार्वजनिक नहीं किया है।

इंजीनियरिंग छात्रा के सुसाइड के बाद हंगामा

स्टूडेंट्स धरने पर बैठे; डायरेक्टर से मांगा इस्तीफा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। श्री गोविंदराम सेकसरिया प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान में छात्रा द्वारा आत्महत्या करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता और पदाधिकारियों सहित स्टूडेंट्स ने शुक्रवार को संस्थान में जमकर हंगामा किया और संस्थान के डायरेक्टर पर लापरवाही के आरोप लगाए। छात्रों ने डायरेक्टर से कुर्सी छोड़ने की भी मांग की।

काफी देर तक स्टूडेंट्स डायरेक्टर के ऑफिस के बाहर धरने पर बैठे रहे और खूब नारेबाजी की। छात्र नेताओं और डायरेक्टर के बीच तीखी बहस भी हुई। आखिर में डायरेक्टर की तरफ से मिले मामले में जांच के आश्वासन के बाद स्टूडेंट्स माने और धरना-प्रदर्शन खत्म किया। डायरेक्टर का कहना है कि मामले को लेकर संस्थान की तरफ से जांच कमेटी बनाई गई है।

दरअसल, एसजीएसआईटीएस में इंजीनियरिंग फर्स्ट ईयर की छात्रा दीप्ति मंडलोई (19) ने गुरुवार को हॉस्टल में फांसी लगाकर जान दे दी थी। वह कॉलेज के हॉस्टल के कमरे में फंदे पर लटकी मिली। मौके से मिले सुसाइड नोट में उसने अंग्रेजी कमजोर होने को मौत का कारण बताया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उसे 8 में से 5 सब्जेक्ट में एटीकेटी आई थी।

मामले को लेकर अभाविप पदाधिकारी और स्टूडेंट्स ने एसजीएसआईटीएस डायरेक्टर राकेश सक्सेना को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मुख्य रूप से महानगर सह मंत्री अमन शर्मा, रोहित मालवीय, दामिनी बिरथरे, देवेंद्र यादव,अनुज शुक्ला एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अभाविप के महानगर मंत्री सार्थक जैन का कहना है कि छात्रा ने हॉस्टल के अंदर सुसाइड किया है। छात्रा मानसिक रूप से बहुत प्रताड़ित थी, क्योंकि कॉलेज प्रशासन एग्जाम के कुछ दिन पहले तक सिलेबस अपडेट नहीं करता है। स्टूडेंट्स को रिवीजन का टाइम नहीं मिलता है।

जब छात्रा बाहर से आ रही है, उसे इंग्लिश में दिक्कत हो सकती है। पर्सनैलिटी डेवलपमेंट के लिए कुछ कोर्स चला सकते है लेकिन कॉलेज प्रशासन ने ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की है कि स्टूडेंट्स पर्सनैलिटी डेवलपमेंट करें। स्टूडेंट्स के विकास के लिए कोई कोर्स चलाए या एक्स्ट्रा क्लास लगवाए।

बहुत सारे स्टूडेंट्स का ये आरोप है कि हमें सब्जेक्ट में फेल कर दिया है और जब हम 300 रुपए देकर रिवेल का फॉर्म डालते हैं तो उसमें 50 प्रतिशत से ज्यादा स्टूडेंट्स पास हो जाते हैं। इस तरह यहां व्यवसाय चलाया जा रहा है।

हमारी मांग है कि छात्रा ने सुसाइड क्यों किया है, इसकी जांच होनी चाहिए है और दोषियों पर कार्रवाई की जाए। डायरेक्टर को कुर्सी छोड़ना चाहिए और यहां योग्य डायरेक्टर नियुक्त होना चाहिए।

वहीं मामले को लेकर डायरेक्टर राकेश सक्सेना का कहना है कि सभी डिपार्टमेंट हेड की बैठक ली है। सुसाइड करने वाली बच्ची के संस्थान में जो मेंटर है, उन्हें भी बुलाया था। तहकीकात कर रहे है कि ऐसा क्यों हुआ, क्योंकि पहले कभी ऐसा नहीं हुआ है।

मामले को लेकर संस्थान की एक जांच कमेटी बना दी है। पुलिस की फोरेंसिक टीम अंदर के सभी डॉक्यूमेंट ले गई है। पुलिस का कहना है कि वो भी लिख कर देंगे कि उन्होंने मौके पर क्या पाया। उसके बाद हमारी जांच कमेटी भी हमें रिपोर्ट दे देगी।

छात्रा ने अपने सब्जेक्ट्स रुकने की जानकारी अपने पेरेंट्स को दे दी थी। उसका रिजल्ट 15 दिन पहले आ चुका था। साथ में जो अन्य छात्राएं रहती है वो भी नहीं समझ पा रही है। उसकी मम्मी को भी मालूम था, उन्होंने भी कहा था कि चिंता मत करना। सब कुछ नॉर्मल था।

शिक्षक-कर्मचारी हड़ताल पर

● 5 से 10 जून के बीच होने वाली सारी परीक्षाएं स्थगित; पैसे और पदोन्नति के लिए चल रहा आंदोलन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। देवी अहिल्या विवि (डीएवीवी)सहित प्रदेश भर में परंपरागत कोर्स संचालित करने वाली 8 यूनिवर्सिटी के शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों की हड़ताल का असर अब दिखने लगा है। हड़ताल के चलते देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी प्रशासन ने 5 से 10 जून के बीच होने वाली बीबीए, बीसीए छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। इसके साथ ही यूजी फर्स्ट ईयर की भी आगे की सारी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। हालांकि ओल्ड कोर्स की दूसरे वर्ष की परीक्षाएं यथावत रहेंगी। दरअसल फर्स्ट ईयर की परीक्षाएं 27 मई के बाद से नहीं हो पाई हैं। हड़ताल के चलते परीक्षाएं लगातार आगे बढ़ती जा रही हैं। बीबीए-बीसीए छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं तो 5 जून से शुरू होना थीं, लेकिन वह भी स्थगित कर दी गईं।

बैठक रही बेनतीजा- मप्र शासकीय विवि पेंशनर्स, कर्मचारी, अधिकारी एवं शिक्षक संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले 15 मई से चरणबद्ध हड़ताल कर रहे हैं। अब यह अनिश्चतकालीन हड़ताल शुरू हो गई है। हड़ताल आगे बढ़ती है तो इसका असर सत्र 2022-23 के एकेडमिक कैलेंडर पर साफ दिखाई पड़ेगा। उधर, उच्च शिक्षा विभाग के एसीएस शुक्रवार को सभी कुलपतियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चर्चा करेंगे। हड़ताल आगे न बढ़े इसलिए उच्च शिक्षा विभाग आयुक्त और संघर्ष समिति के पदाधिकारियों से गुरुवार को बैठक हुई। एक घंटे चली बैठक से कोई नतीजा नहीं निकल सका।

सेंटर्स पर सामग्री भी नहीं जा पा रही है। हड़ताल जारी रहने तक परीक्षाएं कराना संभव नहीं हो पा रहा है। अब कैलेंडर पर भी असर पड़ेगा।

- प्रो. एसके जैन, कुलपति, बीयू

मेरी नजर में मांगे जायज हैं। वित्त विभाग को भी इस संबंध में लिखा गया है। छात्रहित प्रभावित न हो इसलिए उनसे हड़ताल पर नहीं जाने को भी कहा है।'

- मोहन यादव, मंत्री, उच्च शिक्षा

मई में 233 करोड़ यूनिट बिजली का वितरण

इंदौर शहर में 33.65 करोड़ यूनिट आपूर्ति

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। ग्रीष्मकाल के दौरान मई में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मालवा -निमाड़ में 233 करोड़ यूनिट बिजली का वितरण किया है। इसमें से इंदौर शहर में 33.65 करोड़ यूनिट बिजली की आपूर्ति की गई है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने बताया की मई में इंदौर सहित सभी 15 जिलों में मांग के अनुसार पर्याप्त बिजली वितरित की गई। इस दौरान इंदौर शहर में 33.65 करोड़ यूनिट, इंदौर राजस्व संभाग के सभी आठ जिलों में कुल 150 करोड़ यूनिट, उज्जैन राजस्व संभाग के कुल सात जिलों में 83 करोड़ यूनिट बिजली का वितरण किया गया है। इस तरह कंपनी क्षेत्र के सभी 15 जिलों में मई के 31 दिनों में 233 करोड़ यूनिट बिजली की आपूर्ति की गई है। प्रबंध निदेशक श्री तोमर ने बताया की राज्य शासन के अनुसार कृषि क्षेत्र के लिए 10 घंटे एवं अन्य सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए 24 घंटे आपूर्ति की जा रही है। श्री तोमर ने बताया की मई माह इंदौर शहर व इंदौर ग्रामीण में औसतन 1 करोड़ यूनिट से ज्यादा की दैनिक आपूर्ति की गई। इंदौर शहर, इंदौर ग्रामीण के बाद खरगोन, उज्जैन, देवास और धार ऐसे क्षेत्र रहें जहां मई में दैनिक बिजली आपूर्ति 55 लाख यूनिट से ज्यादा दर्ज की गई है।

कटाक्ष

कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल एक दिन में खत्म, शासन मांगों पर सहमत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। प्रदेशभर के विश्वविद्यालयों में कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल एक दिन में खत्म हो गई। शुक्रवार शाम को उच्च शिक्षा विभाग ने कर्मचारियों की मांगों का जल्द निराकरण करने का आश्वासन दिया। सातवें वेतनमान से पेंशन देने, नियमितीकरण, प्रमोशन और मेडिक्लेम सहित अन्य मांगों पर शासन सहमत दिखा। हड़ताल समाप्त होने से स्नातक प्रथम वर्ष की स्थगित परीक्षाओं का नया टाइम टेबल जारी किया जाएगा। सोमवार को परीक्षा को लेकर बैठक बुलाई है।

15 दिनों से आंदोलन करने वाले कर्मचारी 2 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर उतर गए। सुबह 10 बजे कर्मचारी आरएनटी मार्ग स्थित विश्वविद्यालय परिसर में इकट्ठा हुए। नालंदा-तक्षशिला परिसर में पदस्थ 150 कर्मचारी शामिल हुए। पहले शासन के खिलाफ नारेबाजी की गई। उसके बाद कर्मचारी नेताओं ने सभा रखी। रोजाना एक-एक कर्मचारी और पेंशनधारी अनशन पर बैठे। इस दौरान विद्यार्थी भी पहुंचे। घंटाभर इंतजार करने के बाद उन्हें जाना पड़ा। कई छात्र-छात्राएं परिसर में कर्मचारियों की भीड़ देखकर ही चले गए।

परीक्षाओं का नया टाइम टेबल होगा जारी

हड़ताल के चलते बीए, बीकाम, बीएससी फर्स्ट ईयर व बीबीए, बीसीए छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं स्थगित हुई हैं। इन परीक्षाओं को लेकर नया टाइम टेबल नहीं आया है। परीक्षा विभाग की डिप्टी रजिस्ट्रार रचना ठाकुर का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन हड़ताल खत्म होने के बाद बैठक रखेगा। पहले स्थगित परीक्षाएं करवाई जाएंगी। उसके बाद यूजी सेकंड ईयर और एलएलबी-बीएएलएलबी व एमबीए की परीक्षा होगी।

पेंशन पर स्थिति स्पष्ट

देवी अहिल्या गैर शिक्षक संघ के अध्यक्ष चेनसिंह यादव का कहना है कि पेंशन को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। तीन महीने में प्रस्ताव बनाकर शासन उचित निर्णय लेगा। इसके अलावा नियमितीकरण पर मंजूरी मिल गई है।

वेतन नहीं बढ़ा तो थम जाएंगे कचरा गाड़ियों के पहिए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लंबे समय से वेतन नहीं बढ़ने से आक्रोशित नगर निगम कचरा गाड़ियों के चालकों ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि न्यायालय ने उनके पक्ष में निर्णय दिया है बावजूद इसके उनका वेतन नहीं बढ़ाया जा रहा है। इसके पहले वे महापौर, निगमायुक्त और कमिश्नर के सामने भी गुहार लगा चुके हैं, लेकिन कुछ नहीं हुआ। कचरा वाहन चालकों ने चेतावनी दी कि 15 दिन में उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो शहर में कचरा गाड़ियां नहीं चलेंगी।

पर्यटक जल्द कर सकेंगे मनोरंजन पार्क में सैर, जून में उद्घाटन की तैयारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर-खंडवा रोड पर बने उमेरीखेड़ा मनोरंजन पार्क में घूमने और सैर करने को लेकर पर्यटकों का इंतजार जल्द खत्म होने वाला है। जून में वन विभाग ने पार्क का उद्घाटन करने की तैयारी कर ली है। पांच जून पर्यावरण दिवस पर पार्क की औपचारिक शुरूआत की जाएगी। इसके लिए वनमंत्री व ईको टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों को बुलाया जाएगा, जबकि पर्यटकों को जुलाई में पार्क में प्रवेश दिया जाएगा। बरसात के पहले वन विभाग ने कैंप फायर करने के लिए कई एवेंचर्स ग्रुप को अनुमति दी है। यहां तक कि मड हाउस में ठहरने की व्यवस्था भी रखी है।

190 हैक्टेयर में फैले उमरीखेडा मनोरंजन पार्क खुलने की राह पर्यटक सालभर से करने में लगे है। हर बार तैयारी पूरी होने की बात कहीं जाती है, लेकिन पार्क का शुभारंभ किसी न किसी वजह से अटक जाता है। पहले वनमंत्री विजय शाह ने समय नहीं दिया था। उसके बाद इको टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों ने पार्क में बदलाव करवाए। यहां तक कि बरसात ने भी पार्क का उद्घाटन में अड़चने पैदा की। दरअसल बीते साल बरसात अधिक होने से पार्क में बना तालाब ओवर फ्लो हो गया। इससे तालाब का पानी पैदल ट्रैक पर उतर आया। इससे ट्रैकिंग के लिए बनाया मार्ग पूरी तरह खराब हो गया। ठीक करने में विभाग को दो महीने लगे। उसके बाद इंदौर-खंडवा रोड का काम शुरू हो गया। इसके चलते पर्यटकों को पार्क तक पहुंचने में काफी दिक्कतें होगी। चुनाव नजदीक आने के चलते वनमंत्री ने पार्क खुलने पर सहमति दी है। पांच जून को पर्यावरण दिवस पर पार्क का उद्घाटन किया जाएगा। साथ ही पार्क में पौधारोपण भी होगा।

20 रुपये रहेगा शुल्क

पार्क में प्रवेश करने के लिए पर्यटकों को बीस रुपए का शुल्क देना होगा। मुख्यालय से प्रवेश शुल्क को मंजूरी मिल चुकी है। पार्क में दस हजार पौधों की नर्सरी भी बनाई है। जंगल में लगाए जाने के अलावा कुछ खूबसूरत पौधें भी रखे जाएंगे। पर्यटकों के लिए मल्टीपल ट्रैक है, जिसमें जंगल देखने वालों के लिए दो किमी का पैदल ट्रैक होगा। एडवेंचर्स ट्रैकिंग करने वालों के लिए पहाड़ी पर थोड़ी ऊंचाई का ट्रैक बनाया है, जो पांच से छह किमी लंबा है। तीन से चार स्थानों पर झोपड़ियां भी रखी है। जहां पर्यटक आराम और ठहर सकते है। वहीं मड हाऊस बनाया है। ताकि पर्यटक रात में रुक सकेंगे।

जुलाई से देंगे प्रवेश

पार्क को पांच जून को खोल दिया जाएगा। उसके बाद पर्यटकों से जुड़ी सुविधाएं भी रखेंगे। पानी और कैंटीन की व्यवस्था करना है। वैसे जुलाई से पर्यटकों के लिए पार्क खोल दिया जाएगा।

- नरेंद्र पंडवा, डीएफओ, इंदौर वनमंडल

कूनो में चीतों के लिए कम पड़ने लगी जगह

पवन के बाद आशा माधव नेशनल पार्क में दिखी; रिहायशी इलाकों में आ-जा रहे चीते

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

श्योपुर। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों के लिए कूनो नेशनल पार्क का एरिया कम पड़ने लगा है। नर चीता पवन और मादा चीता आशा कूनो से निकलकर जंगल में घूम रहे हैं। आशा धौरेट सरकार बाबा मंदिर इलाके के जंगल में घूमने के बाद पोहरी-बैराड़ के रास्ते शिवपुरी के माधव नेशनल पार्क तक पहुंच चुकी है। पवन भी माधव नेशनल पार्क में जा चुका है। फिलहाल आशा माधव नेशनल पार्क के बाहर है, लेकिन अभी भी उसकी लोकेशन शिवपुरी के वन रेंज में है।

नर चीते गौरव और शौर्य की जोड़ी भी कूनो नेशनल पार्क के जंगल से निकलकर रिहायशी गांवों के आसपास देखी जा चुकी है। यह स्थिति तब है, जब महज 7 चीतों को ही बाड़े से कूनो के खुले जंगल में छोड़ा गया है। बचे 11 चीतों को खुले जंगल में रिलीज करने के बाद स्थिति और भी बिगड़ने की संभावना बन सकती है।

अफसर कह चुके हैं जगह कम होने की बात

चीतों के लिए कम पड़ रही जगह को देखते हुए वन विभाग ने जरूरी कवायद शुरू कर दी है। कूनो में चीतों की लगातार मौत होने की घटनाओं के दौरान पिछले दिनों मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) जेएस चौहान का एक पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। यह पत्र केंद्र सरकार के लिए लिखा गया था, जिसमें कूनों में चीतों के लिए जगह कम पड़ने की बात सामने आई थी।

गांधी सागर राष्ट्रीय अभयारण्य को दूसरा घर बनाने की तैयारी

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में दखल देकर चीतों के लिए राजस्थान और एमपी के दूसरे राष्ट्रीय उद्यानों में संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए थे। चीता प्रोजेक्ट एमपी में ही रहे, इसलिए सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश के गांधी सागर राष्ट्रीय अभयारण्य को चीतों का दूसरा नया घर बनाने की बात पिछले दिनों कही थी। इसके बाद कूनो से राजस्थान में चीता शिफ्ट करने की संभावनाएं टल गई हैं। हालांकि, चीतों को दूसरे अभयारण्य में कब तक शिफ्ट किया जाएगा, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। वन विभाग के अधिकारी भी इस मामले में कुछ कहने से फिलहाल बच रहे हैं।

बड़े बाडे.में कैद होकर रह रहा पवन

रिहायशी इलाकों के आसपास देखे जाने के बाद माधव नेशनल पार्क तक पहुंच चुके नर चीते पवन को फिलहाल कूनो के बड़े बाड़े में रखा गया है। वन विभाग के अधिकारियों ने ये फैसला परेशानी से बचने और चीते की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया। पवन को खुले जंगल में घूमना और शिकार करना बेहद पसंद है।

कैद रखने से बढ़ता है स्ट्रेस

कूनो के अधिकारी और मैदानी अमला पवन के इस रवैये से बेहद परेशान थे। बड़े बाड़े में कैद पवन को स्ट्रेस होना लाजमी है। वन विभाग के अधिकारी भी बार-बार कह रहे हैं कि चीतों को बाड़े में रखने के लिए नहीं लाया गया है। उन्हें एक महीने से ज्यादा समय तक बाड़े में रखना ठीक नहीं है।

टिकटोली और मोरावन इलाके में भी पहुंच रहे चीते

अकेले पवन और आशा ही ऐसे चीते नहीं हैं, जो कूनों के जंगल के बाहर घूम-फिर रहे हों। गौरव और शौर्य की जोड़ी भी कूनो नेशनल पार्क के जंगल से निकलकर टिकटोली और मोरवन गांव के आसपास देखी जा चुकी है। गौरव और शौर्य दोनों एक साथ खुश रहते हैं। वे बहुत ज्यादा भागदौड़ करना और बाहर आना-जाना कम पसंद करते हैं।

मंच पर बोलते रहे सीएम सोते रहे भाजपा नेता

कैमरे में कैद हुए पूर्व जिलाध्यक्ष, विधायक और मंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छतरपुर। बुंदेलखंड केसरी महाराजा छत्रसाल द्वारा स्थापित छतरपुर का गौरव दिवस 2 जून को पं.बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में मनाया गया, जहां मंच पर मुख्यमंत्री की स्पीच और भाषण के दौरान मंच पर आगे की पंक्ति में बैठे पूर्व मंत्री, विधायक, जिलाध्यक्ष सोते नजर आए। उनकी यह नींद इतनी मदहोशी भरी थी कि सीएम के भाषण और जनता की तालियों की गड़गड़ाहट से भी नहीं टूटी। सीएम के कार्यक्रम भाषण के पूरे समय वे झपकी लेते नजर आए।

गर्मी में भी ठंडी का अहसास...

सीएम के कार्यक्रम के दौरान पूरे मंच को एसी और कूलर से सेंट्रलाइज किया गया था। मंच के हर कोने हर जगह पर कड़ाके की गर्मी में भी बेहतरीन ठंडक फैली हुई थी, जिसके चलते इन नेताओं को भरी गर्मी में भी नींद आ गई।

यह सोते रहे मंच पर...

बता दें कि मंच पर सोने वालों में से 2 के प्रमुख नाम हैं। इनमें से एक नाम भाजपा पूर्व के पुर्व जिलाध्यक्ष और पूर्व विधायक जुझार सिंह हैं तो वहीं पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री रहे मानवेन्द्र सिंह (भंवर राजा) भी मंचपर बड़ी गहरी नींद सोते नजर आए।

डबल मर्डर के पांच आरोपी गिरफ्तार

जाजनखेड़ी की टोरिया के पास छिपे हुए थे, लाठी और कुल्हाड़ी भी मिली

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

अशोकनगर। दियाधरी गांव से दो लोगों की लाठी-डंडों व कुल्हाड़ी से हत्या कर एवं 5 लोगों को घायल कर भागे 17 आरोपियों में से 5 को पुलिस ने जाजनखेड़ी गांव की टोरिया के पास मंदिर के एक कमरे से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस वहां पहुंची तो कुछ लोग कमरे में छिपे हुए मिले, कमरे से उन लोगों को बाहर निकलवाकर उनसे उनके नाम पता पूछा। उन्होंने अपने नाम प्रेमनारायण पिता गंगाराम कुशवाह, राजू कुशवाह पिता रामजीलाल कुशवाह, अजय कुशवाह पिता दौलत सिंह कुशवाह, राजेंद्र पिता रामजीलाल कुशवाह, सुदर्शन पिता फैरन सिंह कुशवाह निवास ग्राम दियाधरी बताया। इसके बाद पुलिस ने उनसे हमला करने वाले हथियार के बारे में पूछा तो उन्होंने अपने घर पर ही रखा होना बताया। पुलिस ने गांव से लड़ाई में उपयोग किए लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी बरामद कर लिए हैं। देहात थाना क्षेत्र के दियाधरी गांव में चुनावी रंजिश को लेकर एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर हमला कर दिया था। जिसमें 2 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 5 लोग गंभीर रूप से घायल है। उक्त मामले में पुलिस ने 17 लोगों को नामजद आरोपी बनाया था।

हनुमान जी की मूर्ति खंडित करने की कोशिश, ग्रामीणों में आक्रोश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खंडवा। जिले के बामनगांव अखाई ग्राम में हनुमान जी की मूर्ति को खंडित करने का मामला सामने आया है। किसी बदमाश ने मूर्ति से छेड़छाड़ कर मूर्ति की एक आंख को निकाल दी। घटना की जानकारी लगते ही तुरंत कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और अपनी जांच शुरू कर दी है। गांव में लगे कैमरा की मदद से पुलिस आरोपी की तलाश में जुड़ गई है, वहीं घटना की जानकारी लगते ही गांव में भी ग्रामीणों की भीड़ मंदिर के पास लगने लगी। पुलिस ने जल्द आरोपी की गिरफ्तारी का कह कर ग्रामीणों को शांत कराया। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है, पुलिस आरोपियों को जल्द गिरफ्तारी करने की बात कह रही है।

घटना शहर से 5 किलोमीटर दूर स्थित बमनगांव अखाई की है। शुक्रवार सुबह रोज की तरह ग्रामीण मंदिर में पूजा करने पहुंचे थे। यहां मंदिर के अंदर हनुमान जी की मूर्ति की एक आंख जमीन पर गिरी नजर आने पर उन्होंने कोतवाली थाने में इसकी सूचना दी। यह बात ग्रामीणों को मिलते ही मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

कोतवाली थाना प्रभारी बलराम सिंह राठौड़ ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव के मंदिर में मूर्ति को क्षति पहुंचाई गई है। मौके पर पुलिस टीम में जाकर देखा। संभवतः शराबी किस्म के लोगों की यह हरकत हो सकती है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

युवती को प्रेम जाल में फंसाकर रूपए लेकर फरार युवक गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खंडवा। मुंबई के एक युवक ने खुद को कुंवारा बताकर खंडवा के खानशाहवली क्षेत्र में रहने वाली लड़की को पहले प्रेम जाल में फंसाया, उसे शादी के सपने दिखाकर उसके साथ संबंध बनाए। युवती से शादी की खरीददारी के नाम पर 70 हजार रुपए भी ले लिए। उसके बाद पैसे लेकर रफूचक्कर हो गया। जब युवती ने उसके बारे में छानबीन की तो पता चला कि वह शादीशुदा है और उसकी एक बेटी भी है। आरोपी युवक को पुलिस महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर ले आई। मोघट थाना पुलिस ने 29 साल की युवती की शिकायत पर आरोपी नवाजिश अली पिता अब्बास अली निवासी उत्तर प्रदेश के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया है। मोघट थाना प्रभारी ब्रजभूषण हिरवे ने बताया कि युवती ने थाने में आकार आरोपी नवाजिश के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म किया था। साथ ही पैसे भी लेकर फरार हो गया था। युवती की शिकायत के बाद पुलिस लगातार आरोपी की तलाश कर रही थी। महाराष्ट्र पुलिस की मदद से आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

नदी में डूबी बच्चियां, दो बहनों समेत तीन की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शहडोल। शहडोल में नदी में नहाने गई 5 बच्चियों में से तीन की डूबने से मौत हो गई। इनमें दो सगी बहनें थी। साथ गई दो अन्य बच्चियां डरकर वहां से भागते हुए घर पहुंची। उन्होंने परिजनों को इसकी जानकारी दी। गांव के दो लोगों ने तीनों बच्चियों को नदी से बाहर निकाला। लेकिन तब तक तीनों की सांसें थम चुकी थी। मामला ब्योहारी थाना क्षेत्र के सौंता गांव में शुक्रवार दोपहर का है।

ब्योहारी के सौंता गांव में रहने वाले राजू पाल के घर में पारिवारिक कार्यक्रम था। इसमें शामिल होने के लिए गांव समेत अन्य जगह से रिश्तेदार आए थे। दोपहर में राजू पाल की बेटी आरती (14) और उसकी दो भांजी पलक (12), पारुल उर्फ शानू (8) गांव की दो अन्य बच्चियों के साथ नदी में नहाने के लिए गई थी। इसी दौरान ये हादसा हो गया। राजू पाल की बेटी आरती और उसकी दोनों भांजियां पारुल और पलक नदी में डूब गई। इससे पहले कि उन्हें बचाया जाता, तीनों की मौत हो गई।

मामा के यहां कार्यक्रम में आई थी दोनों सगी बहनें

पारुल और पलक पिता हरीश पाल सीधी के सिलवार थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। दोनों बहनें अपने मामा राजू पाल के यहां कार्यक्रम में आई हुई थी। जब तीनों बच्चियां नदी में नहा रही थी तो उनके साथ दो अन्य बच्चियां भी थी। तीनों को डूबता देख वह डर गई। दोनों भागते हुए घर पहुंची। उन्होंने परिजनों को हादसे की जानकारी दी। परिजन जब तक वहां पहुंचते गांव के ही दो लोग नरेंद्र और वीरेंद्र यादव ने किसी तरह बच्चियों को बाहर निकाला। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

संपादकीय

रिश्तों में चढ़ा दोस्ताना रंग

एक ओर जहां भारत के प्रधानमंत्री ने भरोसा जताया कि दोनों देश अपने रिश्तों को हिमालय जितनी ऊंचाई देने के लिए काम करते रहेंगे, वहीं नेपाल के प्रधानमंत्री ने भी सदियों पुराने और बहुआयामी संबंधों को संप्रभु समानता, आपसी सम्मान, समझ और सहयोग के समय की कसौटी पर खरे उतरे सिद्धांतों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता पर आधारित बताया। भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक तौर पर मजबूत रहे हैं। लेकिन वक्त के साथ बदलती दुनिया में जिस तरह की नई भू-राजनीतिक परिस्थितियां बन रही हैं, उसमें उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है और उसी मुताबिक दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों को लेकर कई बार अस्पष्टता भी बनी। लेकिन नेपाल के प्रधानमंत्री की ताजा भारत यात्रा से एक बार फिर इन रिश्तों में पुराना दोस्ताना रंग दिखा है। इस दौरान जिस तरह सीमा विवाद सहित कुछ अन्य उलझे हुए मुद्दों को किनारे रख कर बाकी मसलों पर सहमति कायम करके साझेदारी का नया सफर शुरू करने की कोशिश दिखी है, उससे उम्मीद बंधती है कि सीमा से सटे पड़ोसी होने के नाते दोनों देश अब विश्व में बनते नए समीकरण को देख-समझ कर उसी मुताबिक अपने रिश्तों के नया आयाम देने की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि पिछले कुछ साल छोड़ दिए जाएं तो भारत और नेपाल की मित्रता एक उदाहरण रही है। गौरतलब है कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों में बातचीत के बाद मुख्य बात यह उभर कर सामने आई है कि सीमा विवाद सहित कुछ अन्य मुद्दों को भविष्य में विचार करने के लिए छोड़ कर दोस्ती को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाए। निश्चित रूप से यह वक्त का तकाजा समझ कर कूटनीतिक मोर्चे पर नए सिरे से विचार करके भविष्य को बेहतर करने की दिशा में बढ़े कदम हैं, जिसमें सभी देशों को यह ध्यान रखने की जरूरत होगी कि आने वाले वक्त में कैसी परिस्थितियां बनने वाली हैं और उसमें उनके नागरिकों के अधिकतम हित कैसे तय हों! इस लिहाज से देखें तो दोनों देशों ने नए सिरे से संबंधों को सद्भाव की बुनियाद पर मजबूती की ओर बढ़ाने का फैसला किया है।

बाल दिवस

तेनालीराम और सोने के आम

विजय नगर साम्राज्य के राजा कृष्ण देव की मां अधिक उम्र हो जाने के कारण अक्सर बीमारे रहने लगी थी। राजा ने उनके उपचार के लिए कई वैद्य बुलाए। उनका सफल उपचार कराने की लाख कोशिश की, लेकिन स्वास्थ्य में सुधार आने की जगह उनकी मां की सेहत दिन-ब-दिन बिगड़ती चली गई।

जब उनकी मां को महसूस हुआ कि अब वह नहीं बच पाएंगी, तो उन्होंने राजा को आपने पास बुलाया और कहा, "मुझे आम बहुत पसंद हैं। इसलिए, मैं ब्राह्मणों को आम दान करना चाहती हूं।" उनका मानना था कि इस प्रकार उन्हें मरने के बाद स्वर्ग में जगह मिलेगी, लेकिन उनकी यह इच्छा पूरी होती, उससे पहले ही राजा की मां की मृत्यु हो गई।

मां की इच्छा पूरी न कर पाने के कारण राजा बहुत उदास रहने लगे। उन्होंने अपनी मां की अंतिम इच्छा को पूरा करने के लिए कुछ ब्राह्मणों को अपने पास बुलाया और उन्हें पूरी बात बताई। वहां आए ब्राह्मणों ने राजा की बात सुनने के बाद आपस में मंत्रणा की और कहा, "हे राजन! आपकी मां ने मृत्यु से पहले आम दान करने की प्रबल इच्छा जताई थी, जो पूरी न हो सकी। ऐसे में उनकी आत्मा इधर-उधर भटकती रहेगी। इसलिए, आपको अपनी मां की आत्मा की शांति के लिए उपाय करना चाहिए।"

ब्राह्मणों के मुंह से यह बात सुनकर राजा ने कहा, "आप हमें बस उपाय बताइए, अपनी मां की आत्मा की शांति के लिए मुझसे जो बन पड़ेगा, मैं करूंगा।"

राजा के हामी भरते ही सभी ब्राह्मण मन ही मन प्रसन्न हुए और बोले, "राजन आपको अपनी मां की पुण्यतिथि पर ब्राह्मणों को भोजन कराने के साथ सोने के आम दान में देने चाहिए, तभी आपकी मां की आत्मा को शांति मिलेगी।"

राजा ने ब्राह्मणों की बात मान ली और उन्हें अपनी मां की पुण्यतिथि पर भोजन करने के लिए बुलाया और प्रत्येक ब्राह्मण को सोने के आम दान में दिए। जब इस बात का पता तेनालीराम को चला, तो उसे सारा माजरा समझते देर नहीं लगी।

तेनालीराम बहुत ही चतुर और बुद्धिमान था। वह समझ गया था कि ब्राह्मणों ने राजा की भावनाओं का लाभ उठाते हुए अपने लालच के कारण सोने के आम दान करने की बात कही थी। इसलिए, उसने मन ही मन योजना बनाई कि वह उन लालची ब्राह्मणों को उनके किए का सबक जरूर सिखाएगा।

तेनालीराम ने योजना के अनुसार ब्राह्मणों को अपनी मृत मां की आत्मा की शांति कराने का निमंत्रण भेज दिया। ब्राह्मण जानते थे कि तेनालीराम महाराज का सलाहकार और राज कवि है। इस कारण वह दान में उन्हें काफी कुछ दे सकता है। इसलिए, सभी ब्राह्मणों ने तेनालीराम का निमंत्रण स्वीकार कर लिया और तेनालीराम की मां की पुण्यतिथि पर उसके घर जाने का फैसला किया।

तय समय पर सभी ब्राह्मण तेनालीराम के घर पहुंच गए। तेनालीराम ने सभी ब्राह्मणों को बड़े ही आदर और सत्कार के साथ घर में बिठाया और स्वादिष्ट भोजन कराया। जब सभी ब्राह्मण भोजन कर चुके, तो तेनालीराम ने अपने घर के नौकर से लोहे की गर्म सलाखें लाने को कहा।

गर्म सलाखों का नाम सुनते ही सभी ब्राह्मण आश्चर्य में बोले, "तेनाली लोहे की गर्म सलाखें! किस लिए? उनका क्या करोगे?" तेनालीराम ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "जब मेरी मां बीमारी थीं, उनके शरीर पर फोड़े हो गए थे। उनकी आखिरी इच्छा थी कि मैं उनके फोड़ों की गर्म सलाखों से सिकाई करूं, ताकि उनका दर्द कम हो जाता, लेकिन मैं ऐसा कर नहीं सका और उनकी मृत्यु हो गई। यही उनकी आखिरी इच्छा थी, तो अब मैं आप सभी को गर्म सलाखों से दागूंगा, जिससे मेरी मां की आत्मा को शांति मिल जाएगी।"

तेनालीराम की इन बातों को सुनकर सभी ब्राह्मण थर-थर कांपने लगे। वे बोले, "अरे तेनालीराम हमें दागने से तेरी मां के आत्मा को शांति कैसे मिल सकती है।"

इस पर तेनाली ने जवाब में कहा, "जब आपको दान में सोने के आम देने से महाराज की मां की आत्मा को शांति मिल सकती है, तो फिर आपको गर्म लोहे की सलाखों दागने पर मेरी मां की आत्मा को शांति क्यों नहीं मिल सकती।"

अब सभी ब्राह्मणों को समझ आ गया था कि तेनालीराम क्या कहना चाह रहा है। उन्होंने अपनी गलती की माफी मांगी और सभी सोने के आम, जो उन्हें राजा से दान में मिले थे, तेनालीराम को दे दिए।

जब राजा को इस पूरे मामले का पता चला तो वह तेनालीराम पर बहुत नाराज हुए। उन्होंने तेनालीराम को बुलाया और कहा, "अगर तुमको सोने के आम चाहिए ही थे, तो मुझसे मांग लेते। इस तरह से लालचवश ब्राह्मणों को परेशान क्यों किया?"

राजा की बात सुनकर तेनालीराम ने कहा, "महाराज मुझे क्षमा करें। मैं बिल्कुल भी लालची नहीं हूं। न ही मुझे वह सोने के आम चाहिए थे। मैं तो बस यह ब्राह्मणों की लालची प्रवृत्ति को रोकने की कोशिश कर रहा था। जब आपकी मां की आत्मा की शांति के लिए ब्राह्मण सोने के आम ले सकते हैं तो फिर मेरी मां की आत्मा की शांति के लिए लोहे की गर्म सलाखें क्यों नहीं झेल सकते।"

राजा को भी अब तेनालीराम की बात अच्छे से समझ आ गई थी। उन्होंने सभी ब्राह्मणों को राजदरबार में बुलाया और दोबारा लालच के कारण ऐसा कोई भी काम न करने को कहा। ब्राह्मणों ने भी राजा से अपने किए की क्षमा मांगी और सदा के लिए लालच त्यागने की बात कही।

कहानी से सीख

तेनालीराम और सोने के आम कहानी से यह सीख मिलती है कि लालच का फल हमेशा बुरा ही होता है। इसलिए, लालच को कभी भी मन में घर नहीं करने देना चाहिए।

Zerodha's Nithin Kamath shares Morgan Stanley report, hails govt for Aadhaar, UPI

Highlights

1. Actor Gufi Paintal, who played 'Shakuni Mama' in Mahabharat, hospitalised
2. Twitter's head of brand safety and ad quality AJ Brown to quit company: Reports
3. 10 lakh ex-gratia for Odisha train accident victims: Railways Minister
4. Request Congress workers to help: Kharge on Odisha train accident
5. Vicky shares old pic with Hrithik, calls IIFA performance special
6. Utd a better team than the one City defeated 6-3 months ago: Pep

NEW DEIHI, (Agency). Zerodha CEO Nithin Kamath on Thursday reacted to the Morgan Stanley report on India's transformation in the last nine years and credited government initiatives for its success. Praising Aadhaar, UPI and Digilocker for boosting the country's growth and encouraging digital transactions, he added that his company was 'lucky to be at the right place, at the right time'.

"A big part of our success is that we were just lucky to be at the right place, right time. Indian capital markets wouldn't be what they are today without initiatives like Aadhaar, UPI & Digilocker. Growth in Indian digital transactions has been phenomenal thanks to the government," the CEO of the unicorn company tweeted.

Kamath also attached a screenshot of the report which portrayed the formalisation of the Indian economy under which digital transactions and

GST collections showed a rising trend from 2016 and 2018, respectively.

What does the Morgan Stanley report say

In the report published Monday, Morgan Stanley stated that the present India was different from its 2013 situation. "In a short span of 10 years, India has gained positions in the world order with significant positive consequences for the macro and market outlook," it wrote.The report added that significant scepticism about India, particularly with overseas investors, ignores the significant changes that have taken place in the country since 2014, when the Narendra Modi-led BJP government came to power at the Centre.

Supply-side policy reforms, includingbringing corporate tax at par with peers and infrastructure investment picking pace, flexible inflation targeting, focus on FDI, Insolvency and Bankruptcy Code are among the 10 big changes in the last decade.

Institutions like the World Bank and International Monetary Fund (IMF) have hailed India's digitalisation which has improved governance, increased economic growth and inclusive development, and enabled access to essential services.

IndiGo to start flights to six destinations in Africa, Central Asia

NEW DEIHI, (Agency). The country's largest airline IndiGo will start direct flights to six new destinations in Africa and Central Asia, including to Nairobi, Tbilisi and Tashkent, this year.

Embarking on "massive" international expansion plans, the carrier will connect Nairobi in Kenya and Jakarta in Indonesia, with direct flights from Mumbai in late July or early August.

"Delhi will get connected in

August to Tbilisi, Georgia & Baku, Azerbaijan and in September to Tashkent, Uzbekistan, and Almaty, Kazakhstan," IndiGo said in a release on Friday.

Once these routes are operational, the budget airline will be connecting a total of 32 international destinations compared to 26 currently.

While noting that it is taking a "massive step in its international expansion strategy," IndiGo said it will be adding an "impressive 174 new weekly international flights between June and September 2023, including new destinations, routes, and frequencies".

IndiGo said it will also be resuming daily services from Delhi to Hong Kong in August. This flight was suspended three years ago during the coronavirus pandemic.

New Delhi

ट्रेन नंबर 12841... 250 KM चलकर बेपटरी हो गई कोरोमंडल एक्सप्रेस, एक झटके में चली गईं 237 जानें

नई दिल्ली, (एजेंसी) ओडिशा के बालासोर जिले में शुक्रवार को तीन ट्रेनों की टक्कर हो गई है. यहां बहनागा स्टेशन के पास SMVB-हावड़ा एक्सप्रेस (12864), कोरोमंडल एक्सप्रेस और मालगाड़ी की टक्कर हुई है.सबसे पहले हावड़ा एक्सप्रेस की मालगाड़ी से टक्कर हुई, उसके बाद मालगाड़ी कोरोमंडल से जा टकराई. हादसे में 237 लोगों की मौत हो गई. कोरोमंडल एक्सप्रेस पश्चिम बंगाल में कोलकाता के हावड़ा स्टेशन और तमिलनाडु के चेन्नई के बीच चलती है. प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि

यात्रियों को संभलने का मौका नहीं मिला. एक झटके में ट्रेन बेपटरी हुई और चीख-पुकार मच गई. बोगी पलटने से कई यात्री अंदर फंस गए थे. उन्हें रेस्क्यू करने में दिक्कत हो रही है. रेस्क्यू टीमों ने मोर्चा संभाल लिया है. ट्रेन नंबर 12841 कोरोमंडल एक्सप्रेस शालीमार (पश्चिम बंगाल) रेलवे स्टेशन से चेन्नई सेंट्रल तक जाती है. यह ट्रेन करीब 1659 किमी का सफर 25 घंटे में कवर करती है. शुक्रवार को कोरोमंडल ट्रेन शालीमार स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 से 10 मिनट देरी यानी दोपहर 3.30 बजे से निकली. कुछ ही मिनट बाद ट्रेन ने समय कवर कर लिया. 253 किमी दूर बाहानगा बाजार स्टेशन के पास हादसे का शिकार हो गई. जानिए 5 घंटे में किस-किस स्टेशन पर ट्रेन पहुंची...

3.36 PM: संतरागाछी जंक्शन
5.00 PM: खड़गपुर जंक्शन
6.30 PM: बालासोर
6.47 PM: नीलगिरी रोड
6.52 PM: खंतापारा
6.56 PM: पंपाना
8.30 PM: बाहानगा बाजार

Manipur

अमित शाह के लौटने के एक दिन बाद सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच मुठभेड़, घरों में भी लगाई आग

इंफाल, (एजेंसी) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जातीय संघर्ष से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य से रवाना होने के एक दिन बाद ही मणिपुर के विभिन्न हिस्सों से शुक्रवार को उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ की घटनाएं सामने आईं। अपनी यात्रा के दौरान शाह ने शांति और सामान्य स्थिति की वापसी की अपील की थी।

एक पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह बिष्णुपुर जिले के चांदोलपोकपी, तांगजेंग, पोम्बिखोक और कामसन गांवों में उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ की। उग्रवादियों के हमले के बाद स्थानीय लोगों को तांगजेंग गांव छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उग्रवादियों ने चुराचांदपुर जिले के बेथेल गांव में घरों को भी आग लगा दी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इंफाल पश्चिम जिले के कांगचुप चिंगखोंग इलाके में विद्रोहियों ने एक घर को जला दिया और सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ हुई। हालांकि इन घटनाओं में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सरकार ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि राज्य में जातीय हिंसा में कम से कम 98 लोगों की जान चली गई और 310 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि कुल 37,450 लोग वर्तमान में 272 राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद पहली बार तीन मई को झड़पें हुई थीं। मैतेई मणिपुर की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत हैं और ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। जनजातीय नगा और कुकी जनसंख्या का 40 प्रतिशत हिस्सा हैं और पहाड़ी जिलों में निवास करते हैं।

Uttar Pradesh

पैदा होते ही पिता ने दीवार पर दे मारी तीसरी बेटी, पत्नी की शिकायत पर भी पुलिस ने दर्ज नहीं की एफआईआर

पीलीभत, (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है. पूरनपुर क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति पर नवजात तीसरी बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया है. मगर डॉक्टरों की रिपोर्ट में कहा गया कि नवजात की हालत पहले से कमजोर थी. इसके बाद पति और पत्नी के बीच समझौता हो गया, जिस कारण पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया.

पुलिस ने बताया कि पीड़िता की मां ने थाने में अपने दामाद और उसके घरवालों के खिलाफ शिकायत की थी. उसने बताया था कि उसकी बेटी शब्बो की शादी 8 साल पहले फरहान के साथ सिरसा ग्राम में हुई थी. शब्बो ने दो बार बेटियों को जन्म दिया. जिस कारण उसका पति, ननद और बहनोई उसको ताने मारते थे और मारपीट करते थे.पीड़िता की मां ने बताया कि एक सप्ताह पहले उसकी बेटी शिब्बो ने तीसरी बेटी को जन्म दिया था. इससे भड़के पति फरहान ने 31 मई को अस्पताल में अपनी बेटी को गोद में उठाकर दीवार पर दे मारा, जिस कारण उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई.

Rajsthan

राजस्थान की पॉलिटिक्स में हड़कंप, नई पार्टी लॉन्च कर सकते हैं सचिन पायलट

जयपुर, (एजेंसी) राजस्थान विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बीच विवाद छिड़ा हुआ है। पायलट बीजेपी नेताओं के खिलाफ ऐक्शन समेत कई अन्य मांगों पर अड़े हुए हैं। बीते दिनों कांग्रेस आलाकमान के सामने गहलोत और सचिन पायलट की पेशी भी हुई, जिसके बाद दावा किया गया कि सबकुछ ठीक हो गया है। हालांकि, यह पूरी तरह सच नहीं है। दरअसल, आने वाले दिनों में पायलट राजस्थान की राजनीति में बड़ा धमाका कर सकते हैं। सूत्रों की मानें तो पायलट इसी महीने नई पार्टी लॉन्च कर सकते हैं। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की आईपैक की सेवाएं भी सचिन पायलट ले रहे हैं। मालूम हो कि आईपैक प्रशांत किशोर की संस्था रही है, जिसने पश्चिम बंगाल, पंजाब, बिहार आदि में कई दलों को चुनाव जितवाने में मदद की है। 'न्यूजलॉन्ड्री' की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सचिन पायलट ने अपने इरादे स्पष्ट कर लिए हैं।

खेल

पहलवानों के समर्थन में आई कपिल-गावस्कर की 1983 विश्व कप जीतने वाली टीम, साझा बयान जारी किया

नई दिल्ली। बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक के नेतृत्व में भारत के ओलंपिक पदक विजेता पहलवान भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह का विरोध कर रहे हैं। बृजभूषण पर यौन शोषण के आरोप लगे हैं और पहलवान उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। इस बीच भारत के पदकवीरों को 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया के खिलाड़ियों का समर्थन मिला है।

28 मई को पहलवानों के नए संसद भवन की तरफ कूच करने पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। हालांकि, बाद में पहलवानों को छोड़ भी दिया गया था। इतना ही नहीं दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने-प्रदर्शन को भी बंद करा दिया गया था और उनके टेंट हटा दिए गए थे।

इसके बाद 30 मई को पहलवान हरिद्वार पहुंचे थे और ओलंपिक समेत कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जीते पदकों को

गंगा में बहाने का फैसला लिया था। हालांकि, किसान नेता नरेश टिकैत की मांग पर पहलवानों ने गंगा में पदक बहाने के फैसले को टाल दिया दिया था।

अब 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम पहलवानों के समर्थन में सामने आई है। इनमें कपिल देव, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और मदनलाल समेत कई दिग्गज क्रिकेटर्स शामिल हैं। इन सब ने एक साझा बयान जारी किया है और पहलवानों से मेडल को गंगा में न बहाने की अपील की है।

बयान में इन पूर्व दिग्गज क्रिकेटर्स ने कहा है कि पहलवानों के साथ जो हुआ वह दुखद है, लेकिन वह मेहनत से हासिल किए गए पदकों को गंगा में न बहाएं। 1983 की चैंपियन टीम ने कहा कि पहलवानों ने देश का मान बढ़ाया है। वह जल्दबाजी में कोई फैसला न लें। उम्मीद है कि पहलवानों की मांग सुनी जाएगी।

1983 की चैंपियन टीम ने क्या कहा?

बयान में 1983 की चैंपियन टीम ने लिखा- हम अपने चैंपियन पहलवानों के साथ बदतमीजी से व्यथित और परेशान हैं। हमें सबसे ज्यादा चिंता इस बात की भी है कि वे अपनी मेहनत की कमाई को गंगा नदी में बहाने की सोच रहे हैं। उन पदकों में वर्षों का प्रयास, बलिदान, दृढ़ संकल्प और धैर्य शामिल है और वह पदक न केवल उनके अपने हैं बल्कि देश के गौरव और खुशी का विषय हैं। हम उनसे आग्रह करते हैं कि वे इस मामले में जल्दबाजी में कोई फैसला न लें और साथ ही उम्मीद करते हैं कि उनकी शिकायतों को सुना जाएगा और उनका जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। देश के कानून को कायम रहने दें।

कप्तान कपिल देव के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने क्लाइव लॉयड के नेतृत्व वाली वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार वनडे विश्व कप ट्रॉफी जीती थी। सुनील गावस्कर, मोहिंदर अमरनाथ, के श्रीकांत, सैयद किरमानी, यशपाल शर्मा, मदन लाल, बलविंदर सिंह संधू, संदीप पाटिल, कीर्ति आजाद और रोजर बिन्नी जैसे स्टार्स से सजी भारतीय टीम ने 25 जून, 1983 को लॉर्ड्स में खेले गए यादगार फाइनल में हिस्सा लिया था और टीम को जीत दिलाई थी।

सिनेमा

क्या फिल्म के लिए शाहिद कपूर ने चार्ज किया 40 करोड़? एक्टर ने दिया जवाब

चॉकलेटी ब्वॉय की इमेज से अलग शाहिद कपूर अब एक्शन और इंटेंस रोल करते दिख रहे हैं। वेब सीरीज 'फर्जी' में शाहिद कपूर ने स्ट्रीट-स्मार्ट क्रिमिनल का रोल किया था। अब उनकी फिल्म 'ब्लडी डैडी' आने वाली है जिसमें वह एक्शन करते दिखेंगे। अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 9 जून को जियो सिनेमा पर रिलीज की जाएगी। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में शाहिद और अली अब्बास ने एक दूसरे के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। इस दौरान एक रिपोर्टर ने डायरेक्टर से पूछा कि क्या शाहिद हर फिल्म के लिए 40 करोड़ ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह इससे भी ज्यादा है। अब शाहिद ने इस बारे में अपना रिएक्शन दिया है।

शाहिद ने कहा कि मजाक में कही गई बात को लोगों ने सच समझ लिया। इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए शाहिद कहते हैं, 'किसी ने बोल दिया मजाक में, बिना सोचे समझे और हर किसी ने उसी को पकड़ लिया। इस खबर के बाद कोई मुझे काम नहीं देगा।'

शाहिद से पूछा गया कि पैसों के लिए उन्होंने किसी प्रोजेक्ट को साइन किया है या नहीं? इस पर वह कहते हैं, 'ऐसा नहीं होता है। ईमानदारी से कहूं तो कभी-कभी मेरी इच्छा होती है कि मैं यह कर सकूं, हर कोई अमीर बनना चाहता है लेकिन यह असल में कठिन है। मैं पैसे के लिए एक्टिंग नहीं कर पाऊंगा, कुछ और भी कर लूं शायद। मैं इसे लेकर बहुत जुनूनी हूं।

दिल्ली से संचालित अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्य गिरफ्त में

अश्लील मैसेज, कॉलिंग एवं फोटोज एडिटिंग कर करते थे ब्लैकमेल

● फर्जी लोन एप के जरिए कांटेक्ट एक्सेस करते थे आरोपी

इंदौर। तेजी से बदलते समय में इंटरनेट के जरिए ऑनलाइन खरीदी सहित अन्य लगभग सभी काम में इसका उपयोग हो रहा है। वहीं ऑनलाइन ठगी के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। इसी तरह के एक मामले में क्राइम ब्रांच ने ऑनलाइन लोन एप कंपनी के माध्यम से लोगो का निजी डाटा प्राप्त कर, ब्लैकमेलिंग करने वाली दिल्ली से संचालित अंतराजीय गैंग के दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपी ईजी वालेट,सनी लोन,कैश गेन,फ्रंट लाइन आदि आन लाइन फर्जी लोन एप लोगों से डाउनलोड करवाते थे। उन्हें लोन दिया जाता था और उसके बाद लोन के साथ ही काफी पैसा भी वसूला जाता था। आरोपी कांटेक्स एवं गैलरी एक्सेस कर अश्लील मैसेज,कालिंग एवं फोटोज एडिटिंग कर ब्लैकमेल करते थे। आरोपियों से कड़ी पूछताछ की जा रही है।

एक पीड़ित ने लोन एप के बारे में शिकायत करते हुए पुलिस को बताया था कि एक लाख के लोन के लिए अप्लाय किया गया था जिसके बदले में 38 हजार का लोन मिला। फरियादी ने आरोपियों के द्वारा बताए बैंक खाते में 38 हजार रुपए लोन राशि वापस कर दी थी उसके उपरांत भी फरियादी एवं परिजनों को अश्लील फोटो एडिट कर, मैसेज एवं कॉल के माध्यम से लगातार परेशान करते हुए 1 लाख 35 हजार रुपए का अधिक भुगतान करने एवं एडिट अश्लील फोटोज वायरल करने की धमकी दी जा रही थी।

आरोपियों के दिल्ली में होने की जानकारी मिली

शिकायत बाद क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। फोन नंबर और अन्य तथ्यों के आधार पर आरोपियों का पता लगाया गया तो पता चला कि आरोपी दिल्ली में है। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने सीपक कुमार उर्फ हापसी निवासी जिला सहरसा, बिहार एवं अमन मैसी उर्फ काले वर्तमान निवासी गाजीपुर मंडी, नई दिल्ली स्थाई निवासी,बरेली उत्तर प्रदेश को पकड़कर इंदौर लाए।

दिल्ली से करते हैं गैंग को आपरेट

पूछताछ करने पर आरोपियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश, बिहार,दिल्ली आदि स्थानों पर ये इस तरह की वारदातों को अंजाम देते थे। गैंग के सदस्य स्थान बदल-बदलकर इस तरह लोगों को लोन के नाम पर अपने जाल में फंसाते थे। गैंग के अन्य साथी दिल्ली से गैंग को ऑपरेट करते थे।

अधिक राशि भुगतान का बनाते हैं दबाव

फर्जी ऑनलाइन लोन एप के माध्यम से लोन लेने वाले ग्राहकों का निजी डाटा,कान्टेक्ट ,फोटोज,आधार,पैन कार्ड, बैंक डिटेल्स आदि शेयर होने से एप कंपनी द्वारा ग्राहकों का निजी डाटा आरोपियों को उपलब्ध कराते हुए आरोपियों द्वारा फर्जी वर्चुअल नंबरों एवं फर्जी वाट्सअप अकाउंट का दुरुपयोग कर फरियादी एवं परिजनों को लोन की राशि से अधिक राशि भुगतान करने के लिए दबाव बनाते हुए कॉलिंग एवं मैसेज से डराना-धमकाना एवं फरियादी के निजी फोटोज को अश्लील रूप से एडिट करते हुए सोशल मीडिया में वायरल करने की धमकी देते हुए ब्लैकमेलिंग करना एवं यूपीआई पेमेंट कराकर ठगी करना भी आरोपियों ने स्वीकार किया है।

हर दिन पहुंच रही शिकायतें

एप लोन गैंग से पीड़ित कई लोगों ने क्राइम ब्रांच को शिकायत की है। क्राइम ब्रांच के पास हर दिन तीन -चार शिकायतें पहुंचती हैं जिसमें एप लोन गैंग के बारे में कहा जाता है कि वे लोन देने के बाद मुंहमांगा पैसा मांगते हैं और यदि पैसा नहीं दिया जाता था तो अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी जाती है।

इसलिए फंसते हैं जाल में

वर्तमान समय में जल्द से जल्द लोन पाने की चाहत में लोन चाहने वाले इस एप लोन गैंग के चंगुल में फंस जाते हैं। एप के जरिए फर्जी कंपनियां कम ब्याज दर पर बहुत ही कम समय में लोन देने का वादा करती हैं। उसके बाद में बकाया रकम की वसूली के लिए धमकी और ब्लैकमेंलिंग का खेल शुरू हो जाता है।

शोएब ने संदीप बनकर की हिंदू युवती से दोस्ती

मामला चंदननगर थाना क्षेत्र का

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में लगातार लव जिहाद के मामले बढ रहे हैं। चंदन नगर थाना क्षेत्र में शोएब नाम के लड़के ने संदीप बनकर हिंदू युवती से दोस्ती की और फिर उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुस्लिम युवक के खिळाफ छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

18 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस को बताया कि शोएब खान निवासी खंडवा से पढाई के दौरान दोस्ती हुई थी। आरोपी ने अपना नाम संदीप यादव बताकर उसके साथ नजदीकी बढाई और एकतरफा प्यार का इजहार कर पीछा करता रहा। एक दिन किसी काम से बाहर जा रही थी। आरोपी ने रास्ते में रोका और धमकाया अगर उसने दोस्ती नहीं की तो वह उसके फोटो घरवालों को बताकर बदनाम करेगा। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सवा लाख की ब्राउन शुगर के साथ पकड़ाए तीन तस्कर

इंदौर। एरोड्रम और छत्रीपुरा में तीन ड्रग्स तस्करों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं। आरोपियों से करीब सवा लाख रुपए की ब्राउन शुगर बरामद की है। मुखबिर की सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम ने एरोड्रम पुलिस के साथ मिलकर नगीन नगर से नितेश सावनेर को पकड़ा। उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 12 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। इसकी कीमत करीब 1.20 लाख रुपए है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। दूसरे मामले में छत्रीपुरा पुलिस ने भी गंगवाल बस स्टेंड से ब्राउन शुगर के साथ दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

गाड़ी खड़ी करने को लेकर दो पक्ष भिड़े

● चार लोग हुए घायल,घटना सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र के छोगालाल मार्ग पर एक मकान के सामने गाड़ी खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में दो पक्ष आमने सामने हो गए। घटना में चार लोग घायल हुए जिन्हें उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया। इधर मारपीट का वीडियो भी सामने आया है जिसके बाद सेंट्रल कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर को छोगालाल मार्ग पर गाड़ी खड़ी करने के विवाद में दो पक्ष आमने सामने हो गए। बताया जा रहा है कि दुकान के सामने कार खड़ी करने को लेकर पहले विवाद हुआ था इसके बाद कार चालक कुछ देर बाद अपने कुछ साथियों के साथ वंहा पहुंचा और प्रथम उर्फ सोनू, राहुल पिता सुरेश, भरत पिता लालचंद और श्याम खिरची पर हमला कर दिया। हमले में ये चारों घायल हुए हैं जिन्हें उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है वहीं जंहा मारपीट की घटना हुई वंहा सीसीटीवी भी लगे थे, ऐसे में एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। सेंट्रल कोतवाली पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

चोरी कर भाग रहे तीन बदमाश पकड़ाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। रेलवे स्टेशन पर जेबकटी और पर्स उड़ाने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने पकड़ा है। बदमाशों ने एक यात्री का पर्स चुरा लिया था एक को लोगों ने पकड़ लिया था वहीं पुलिस ने बाद में उसके साथियों को भी पकड़ लिया। रेलवे पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों के नाम रियाज, जैद और सुबेराती तीनों निवासी कोटा राजस्थान है। आरोपी जैद ने रेलवे स्टेशन एक नंबर प्लेटफार्म पर एक युवक विकास सिंह की जेब काटकर पर्स उड़ा लिया था। शोर मचाने पर युवक ने पीछा किया और अन्य यात्रियों की मदद से आरोपी को पकड़ लिया फिर पुलिस को सौंप दिया पुलिस की पूछताछ में दो और साथियों के बारे में पता लगा तीनों को हिरासत में ले लिया गया है।

अल्टो कार से ले जा रहे थे बीयर की पेटियां

आबकारी ने घेराबंदी कर किया गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अल्टो कार में रखकर बीयर की पेटियां ले जा रहे दो तस्करों को आबकारी की टीम ने घेराबंदी कर गिर तार कर लिया। गिरफ्त में आए आरोपियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में बीयर की पेटियां बरामद की गई है। आरोपी उक्त माल की डिलेवरी दे पाते उससे पहले ही हत्थे चढ गए।

सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि आईटी पार्क रिंग रोड से शहर की ओर आ रही अल्टो कार(एमपी 09 एचई 4156) में बड़ी मात्रा में शराब की पेटियां रखी हुई हैं और तस्कर माल की डिलेवरी देने जा रहे हैं। उक्त सूचना पर आबकारी की टीम ने घेराबंदी कर उक्त कार को रोका और तलाशी लेने पर बड़ी मात्रा में बीयर की पेटियां बरामद की वहीं कार में सवार दोनों तस्कर दीपक पिता सुरेश राठौर निवासी देवास और अर्जुन पिता मांगीलाल वानमनिया निवाीस देवास को गिर तार कर लिया। श्री खरे ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 10 पेटी बोल्ड बीयर बरामद की गई हैं। कुल जब्त बीयर 120.0 बल्क लीटर है। जब्त शराब की कीमत करीब & लाख &5 हजार रूपए बताई जा रही है। गिर त में आए आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियिम की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। इतनी मात्रा में बीयर जब्त कर आबकारी को बड़ी सफलता हाथ लगी है।

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT
समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्रा ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।